परामर्श विकास केंद्र (सीडीसी)

सीडीसी के बारे में

परामर्श विकास केंद्र (सीडीसी) को 1986 में, परामर्श और पेशेवर सेवाओं के निर्यात सहित परामर्श कौशल और क्षमताओं के उन्नयन, विकास और मजबूत बनाने के लिए, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के एक स्वायत्त संगठन के रूप में स्थापित किया गया था।

सीडीसी ने, गुणवत्ता आधारित चयन, परामर्श परियोजना प्रबंधन, एक परामर्श अनुबंध पर बातचीत करने और मसौदा तैयार करने सहित एक सलाहकार से सर्वश्रेष्ठ लाभ प्राप्त करने में विभिन्न पहलुओं पर ग्राहकों और परामर्श सेवाओं के उपयोगकर्ताओं को संवेदनशील बनाने में एक निर्णायक भूमिका निभाई है।

अपनी स्थापना के बाद से, सीडीसी, सक्रियकरण, उत्प्रेरण और परामर्श के पेशे के विकास के शक्तिवर्धन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के अपने मिशन के लिए निरंतर अंनुसंधान करता रहा है। यह केंद्र देश में परामर्श क्षमताओं का विकास करने और बढ़ावा देने के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में उभरा है और अपने विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से देश में परामर्श सेवाओं के विकास की दिशा में योगदान करने के लिए प्रयास किया है।

दृष्टि (उद्देश्य): "परामर्श सेवा और ज्ञान केंद्र के लिए भारत सरकार की एक राष्ट्रीय परामर्श इकाई बनना।"

मिशन:

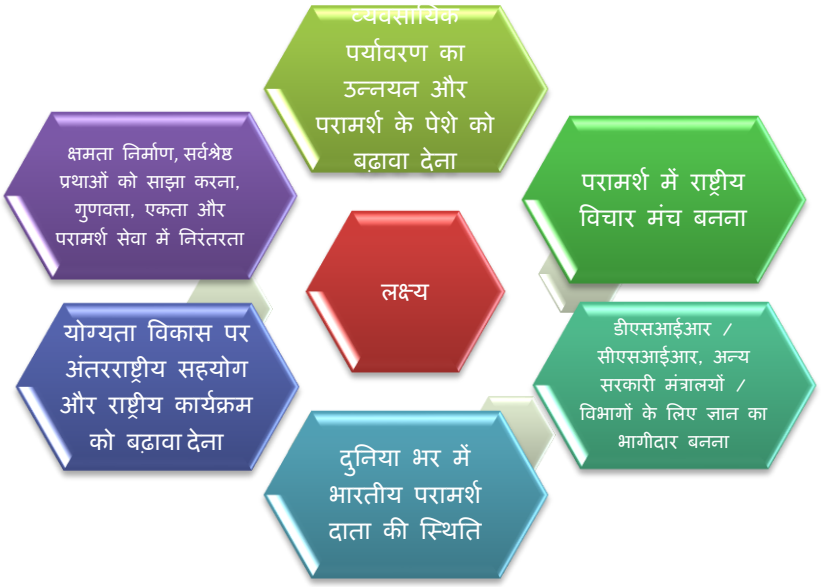

गतिविधियाँ:

- देश में परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए नीतिगत पहल
- परामर्श के उन्नयन और विकास के लिए परियोजनाएं और अध्ययन कार्य
- परामर्शी व्यापार का संवर्द्धन
- परामर्शदाताओं के चयन में सहायता
- एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए तकनीकी परामर्श विकास कार्यक्रम के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (टीसीडीपीएपी)
- परामर्शी प्रबंधन में शैक्षणिक कार्यक्रम
- प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन के माध्यम से योग्यता निर्माण
- प्रकाशन - जर्नल और रिपोर्ट

उपलब्धियाँ:

- शैक्षिक कार्यक्रम (एमबीए और प्रमाणपत्र कार्यक्रमों), प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाओं के संचालन के माध्यम से, परामर्श के क्षेत्र में कुशल और सक्षम मानव शक्ति का पोषण एवं उद्यमिता विकास।
- "भारतीय परामर्शी प्रबंधन संस्थान की स्थापना" के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करना। संस्था द्वारा भारतीय परामर्शी क्षेत्र में क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने में एक सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा की जा रही है।

- ग्राहकों और सलाहकारों के बीच आईटी सक्षम आभासी नेटवर्क को तैयार और विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता अपनी परामर्श संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों से बातचीत कर सकते हैं।
- "परामर्शदाताओं के चयन और प्रभावी उपयोग" पर लगभग 500 क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है

- सीडीसी कन्सल्टिंग अहेड नामक एक अर्द्धवार्षिक पत्रिका निकालता है, जो सलाहकारों, ग्राहकों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और पेशेवरों के लिए नए विचारों, ज्ञान और विभिन्न विषयों की प्रासंगिकता और चिंता के विषयों की जानकारी, का एक स्रोत है। इस पेशे के लोगों की उपलब्धियों, पेशे से संबंधित चिंताओं को साझा करना और परामर्श के पेशे के लिए एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान करना भी इसके

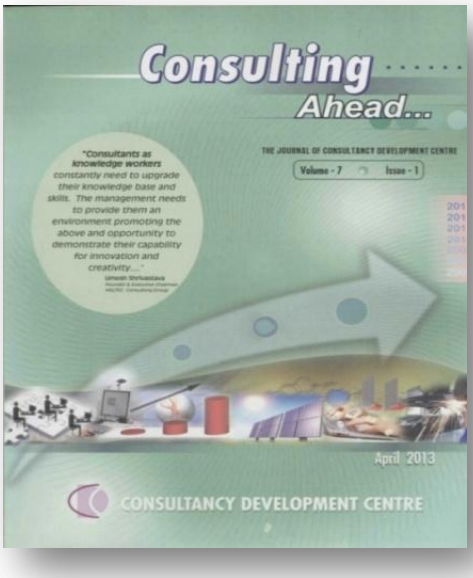

उद्देश्य में शामिल है।

- अपने ज्ञान प्रबंधन साथी संस्थान (केएमपीआई) योजना के माध्यम से विभिन्न क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।